सत्यमेव जयते

वार्षिक हिन्दी ई–न्यूजलैटर

प्रथम संस्करण : 2023-2024

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)
मेघालय, शिलांग
PRINCIPAL ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)
MEGHALAYA, SHILLONG.

संदेश

मेरे प्रिय साथियों,

मुझे अत्यंत खुशी है कि इस वर्ष कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), मेघालय, शिलांग की वार्षिक ई-"न्यूजलैटर" का प्रथम अंक प्रकाशित हो रहा है । मुझे आशा है कि ई-"न्यूजलैटर" के पाठक इस अंक में शामिल लेखों का आनंद लेंगे । मैं, उन सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तहे दिल से धन्यवाद देती हूँ, जिन्होंने ई-"न्यूजलैटर" हेतु अपनी लेख प्रदान किए हैं ।

ई-न्यूजलैटर, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को नए उपकरणों और प्रौद्योगिकियों से लैस करने की हमारी यात्रा में हमारी प्रगति, चुनौतियों और उपलब्धियों को संप्रेषित करने और साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है ।

न्यूजलैटर एक मुद्रित या इलेक्ट्रॉनिक रिपोर्ट है जिसमें किसी कार्यालय या संगठन की गतिविधियों से संबंधित समाचार होते हैं जो अधिकारियों, कर्मचारियों या अन्य सदस्यों को भेजे जाते हैं । न्यूजलैटर में आम तौर पर अपने प्राप्तकर्ताओं के लिए रुचि का एक मुख्य विषय होता है । न्यूजलैटर को ग्रे लिटरेचर माना जा सकता है । ग्रे साहित्य "सरकार, शिक्षा, व्यापार और उद्योग के सभी स्तरों पर इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट प्रारूपों में उत्पादित जानकारी है जो वाणिज्यिक प्रकाशन द्वारा नियंत्रित नहीं है, यानी जहां प्रकाशन उत्पादन निकाय की प्राथमिक गतिविधि नहीं है ।"

हिन्दी हमारे देश की राजभाषा है । साथ ही हिन्दी एक ऐसा माध्यम है जो हमारे देश के सभी नागरिकों को जोड़ने का काम भी करती है । अतः हम हिन्दी सीखें और उसे अपने दिन-प्रतिदिन के कार्यालयीन कार्यों में उपयोग करें। मैं, आशा करती हूँ कि यह वार्षिक ई-"न्यूजलैटर" कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच हिन्दी के प्रयोग के प्रति रूचि, बढ़ावा एवं लोकप्रिय बनाने में सक्षम होगा ।

वार्षिक ई-"न्यूजलैटर" की सफलता की शुभकामनाओं सहित ।

(शेफाली एस. अंदलीब)

आई.ए. एण्ड ए.डी., शिलांग में लेखापरीक्षा दिवस समारोह

मुहम्मद जियाऊल हक
हिंदी अधिकारी

शिलांग स्थित भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग (आई.ए. एंड ए.डी.) कार्यालयों ने दिनांक 16 से 24 नवंबर 2023 के बीच कई कार्यक्रमों के साथ तीसरी लेखापरीक्षा दिवस मनाया । दिनांक 22 नवंबर 2023 को "मेघालय में स्थानीय शासन संस्थानों की कार्यप्रणाली और निगरानी को मजबूत करना" पर एक पैनल चर्चा हुई जिसमें श्रीमती पेट्रीसिया मुखीम, संपादक "द शिलांग टाइम्स" और प्रोफेसर एस. उमडोर, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, पूर्वोत्तर हिल्स विश्वविद्यालय, शिलांग मुख्य वक्ता थे, एक इंटर कॉलेज क्विज प्रतियोगिता और दिनांक 24 नवंबर 2023 को नॉर्थ ईस्टर्न स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एन.ई.एस.ए.सी.), अंतरिक्ष विभाग के सहयोग से "भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से जवाबदेही बढ़ाना" पर एक संगोष्ठी सप्ताह के लंबे समारोहों की मुख्य विशेषताएं थीं ।

यह उल्लेख किया जा सकता है कि भारत के राष्ट्रपति ने दिनांक 16 नवंबर 2023 को भारत के सी.ए.जी., नई दिल्ली के कार्यालय में तीसरी लेखापरीक्षा दिवस के राष्ट्रव्यापी समारोहों का उद्घाटन किया था। भारत के सर्वोच्च लेखापरीक्षा संस्थान के इतिहास और विरासत को चिह्नित करने के लिए लेखापरीक्षा दिवस 2023 मनाया जा रहा है ।

शिलांग में लेखापरीक्षा सप्ताह समारोह का समापन दिवस कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) में दिनांक 24 नवंबर 2023 को आयोजित किया गया था, जिसमें श्री कैल्विन एच. खारशिंग, प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) और श्रीमती शेफाली एस. अंदलीब, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) एवं महानिदेशक, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण और ज्ञान संस्थान, शिलांग ने कार्यक्रम के महत्व और भारतीय संविधान में अनिवार्य रूप से अपनी भूमिका के माध्यम से कार्यकारी को जवाबदेह ठहराने में सी.ए.जी. के संस्थानों द्वारा निभाई गई भूमिका पर वक्तव्य रखे ।

एन.ई.आर. के विकास के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका पर अपना भाषण देते हुए डॉ. एस.पी. अग्रवाल, निदेशक, एन.ई.एस.ए.सी. ने कहा कि भारत को इस क्षेत्र में विश्व के अग्रणी बनाने में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की बड़ी प्रगति हुई है । उन्होंने उन क्षेत्रों का भी संकेत दिया जहां लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं और तकनीकों को बेहतर बनाने में स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जा सकता है । जी.आई.डी., एन.ई.एस.ए.सी. के विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्यज्योति चुटिया ने एन.ई.आर. में शासन गतिविधियों को सशक्त बनाने के लिए आई.सी.टी. सक्षम भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी की भूमिका पर बात की, जबकि जी.आई.डी., एन.ई.एस.ए.सी. के वैज्ञानिक-एस.ई. निलय निशांत ने शासन और निगरानी सेवाओं के लिए उत्तर पूर्व स्थानिक डेटा रिपोजिटरी (एन.ई.एस.डी.आर.) और इसके विभिन्न उपकरणों और विश्लेषण का लाइव प्रदर्शन किया । इंटर-कॉलेज क्विज प्रतियोगिता के फाइनल, जिसे शहर के एक प्रतिष्ठित क्विज मास्टर श्री निकोलस जिरवा द्वारा अच्छी तरह से कोरियोग्राफ किया गया था, ने सभी छह फाइनलिस्ट टीमों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी । अंत में क्रिस्टीना थेम्सिम्फी ए.एस. और श्री देबाशीष काकाती के प्रतिनिधित्व वाले सेंट एंथोनी कॉलेज विजेता बने, जबकि डोंडोर नोंग्रुम और केनेथ लालरिंगलीन के प्रतिनिधित्व वाले के एल. बाजोरिया कॉलेज प्रथम उपविजेता रहे और शिलांग लॉ कॉलेज के मार्बियांगडोर सिएम और ऐबोरलांग मार्बानियांग दूसरे उपविजेता रहे ।

मेघालय राज्य लेखापरीक्षा सलाहकार बोर्ड की तीसरी बैठक

मुहम्मद जियाऊल हक
हिंदी अधिकारी

मेघालय राज्य लेखापरीक्षा सलाहकार बोर्ड (एम.एस.ए.ए.बी.) की तीसरी बैठक दिनांक 16 जून 2023 को आयोजित की गई थी । यह एम.एस.ए.ए.बी. की दूसरी बैठक थी । मेघालय, शिलांग की प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), श्रीमती शेफाली एस. अंदलीब ने बैठक की अध्यक्षता की ।

श्रीमती शेफाली एस. अंदलीब, प्रधान महालेखाकार ने तीसरी एम.एस.ए.ए.बी. बैठक के सदस्यों का स्वागत किया और बैठक में भाग लेने हेतु समय निकालने के लिए सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लेखापरीक्षा रिपोर्ट और लेखापरीक्षा योजनाओं पर एम.एस.ए.ए.बी. के सदस्यों से प्राप्त इनपुट और सुझाव इस कार्यालय के ऑडिट कैलेंडर की योजना बनाने में प्रमुख कारकों में से एक हैं ।

एम.एस.ए.ए.बी. के सदस्य हमारे प्रमुख हितधारकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसलिए इस कार्यालय द्वारा उनके विचारों को बहुत गंभीरता से लिया जाता है । उन्होंने सदस्यों को सूचित किया कि पिछली बैठक के दौरान प्राप्त इनपुट को ऑनबोर्ड लिया गया था और उन्हें लेखापरीक्षा योजना 2022-23 में विधिवत शामिल किया गया था । दिए गए सुझावों के आधार पर की गई कार्रवाइयों के कुछ परिणाम बैठक के दौरान साझा किए जाएंगे ।

श्री एम.एस. राव, आई.ए.एस. ने अपने उद्घाटन भाषण में राज्य विधानमंडल में रखी गई हालिया लेखापरीक्षा रिपोर्ट की सराहना की । उन्होंने हॉर्टिकल्चर पर पी.ए. जैसे निष्पादन लेखापरीक्षा की सराहना की, जिसने विषय का गहन विश्लेषण प्रदान किया । उन्होंने यह भी कहा कि सी.ए.जी. के निष्पादन लेखापरीक्षा में कई महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्ष होते हैं, जो अगर ध्यान से पढ़े जाते हैं, तो प्रणालीगत कमजोरियों के संकेत के रूप में काम करते हैं जिन्हें जल्दी से संबोधित किया जाना चाहिए । उन्होंने एक निष्पादन लेखापरीक्षा के उदाहरण का हवाला दिया और कहा कि रेलवे सुरक्षा में कई चिंताओं को इस रिपोर्ट में उजागर किया गया था जो उड़ीसा में हालिया ट्रेन दुर्घटना के दौरान सामने आई थी ।

प्रो. (डॉ.) नलिन मेहता (एन.ई.आई.जी.आर.आई.एच.एम.एस. के निदेशक) ने सी.सी.टी.एन.एस. पर आई.टी. लेखापरीक्षा की चर्चा के दौरान कहा कि प्रणाली सुरक्षा की किसी भी भेद्यता की संभावना को सख्ती से लिया जाना चाहिए और एक ऐसी प्रणाली होनी चाहिए जहां उन्हें अनिवार्य रूप से किसी भी उल्लंघन की रिपोर्ट करनी चाहिए । उन्होंने ए.आई.आई.एम.एस., नई दिल्ली के उदाहरण का हवाला दिया, जहां प्रणाली को दो महीने से अधिक समय तक हैक कर लिया गया था और डेटा अभी भी पुर्नप्राप्त नहीं हुआ है ।

डॉ. सुमरबिन उमडोर (प्रोफेसर और प्रमुख अर्थशास्त्र विभाग, नेहू) ने ए.डी.सी. के संबंध में कहा कि वर्ष 2015-16 में 10 ए.डी.सी. को 1000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त केंद्रीय अनुदान दिया गया था, जिसमें के.एच.ए.डी.सी. को 200 करोड़ रुपये मिले थे, जिसके उपयोग के संबंध में नीति आयोग द्वारा सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए थे और सुझाव दिया कि यह कार्यालय इस अनुदान का एक विशिष्ट ऑडिट करे और निष्कर्षों के आधार पर सुझाव दिए जाएं । इसके बाद, डॉ. नलिन मेहता ने तर्कसंगतता गुणवत्ता ढांचे के लिए मूल्यांकन को अपनाने का सुझाव दिया, जो लेखापरीक्षा के संबंध में आलोचना के बजाय सुधार के लिए सुझाव प्रदान करता है ।

श्री मैथ्यूज मैथ्यू, उप महालेखाकार (ए.एम.जी.-I और समन्वय) ने सभी सदस्यों को उनके मूल्यवान समय, अंतर्दृष्टि और सुझावों के लिए प्रधान महालेखाकार की ओर से धन्यवाद ज्ञापन दिया ।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मुहम्मद जियाऊल हक
हिंदी अधिकारी

दिनांक 21 जून 2024 को 10 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), मेघालय, शिलांग के कार्यालय में डॉ. हिमांशु बरुआ, वरिष्ठ सहायक प्रोफेसर, आर.एस.बी.के. कॉलेज ऑफ आयुर्वेद विभाग एवं डॉ. अनिरुद्ध, उत्तर पूर्वी आयुर्वेद और होम्योपैथी संस्थान, मावदियांगदियांग, शिलांग उपस्थित रहे और योग के लाभों के बारे में सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पक्षों पर व्याख्यान दिए। इस अवसर पर श्रीमती शेफाली एस. अंदलीब, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), श्री एस. सामिदुरै, उप महालेखाकार (प्रशासन), श्री मैथ्यूज मैथ्यू, उप महालेखाकार (ए.एम.जी.-I) एवं श्री अहमद हसनुज्जमान चौधुरी, उप महालेखाकार (ए.एम.जी.-III) तथा इस कार्यालय के वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी आदि उपस्थित थे ।

इस पावन अवसर पर श्रीमती शेफाली एस. अंदलीब, प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) ने कहा कि योग एक प्राचीन कला है, जिसकी उत्पत्ति भारत में हुई थी । पहले के समय में, लोग अपने दैनिक जीवन में योग और ध्यान, पूरे जीवनभर स्वस्थ और ताकतवर बने रहने के लिए किया करते थे। आज के इस भीड़-भाड़ वाले व्यस्त वातावरण में योग करना दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है । योग बहुत ही सुरक्षित क्रिया है और किसी के भी द्वारा किसी भी समय की जा सकती है। यहाँ तक कि इससे बच्चे भी लाभ ले सकते हैं। योग वह क्रिया है, जिसके अन्तर्गत शरीर के विभिन्न भागों को एक साथ लाकर शरीर, मस्तिष्क और आत्मा को सन्तुलित करने का एक अच्छा अभ्यास है।

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) और (लेखा एवं हकदारी), मेघालय, शिलांग बने फुटबॉल में ईस्ट जोन के विजेता

श्री जितिन कुमार,
कनिष्ठ अनुवादक

किसी ने सही कहा है कि कोई भी लक्ष्य मनुष्य के साहस से बड़ा नहीं होता । हारा वही जो लड़ा नहीं । कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा) और कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), मेघालय, शिलांग की फुटबॉल टीम ने अपने इसी साहस से आई.ए. एण्ड ए.डी. द्वारा कोलकाता में आयोजित ईस्ट जोन फुटबॉल टूर्नामेंट 2023-2024 में प्रथम स्थान प्राप्त किया और अपने विभाग का नाम रोशन किया । यह प्रतियोगिता दिनांक 7 फरवरी से 9 फरवरी 2024 तक आयोजित की गई थी । जिसमें टॉप स्कॉरर रहे वरिष्ठ लेखाकार, "श्री किटबॉकलांग पाले" और मैन ऑफ द मेच, श्री सुरजे कुमार पेरियार, लेखाकार रहे । इस प्रतियोगिता में मेघालय टीम ने कोलकाता की टीम को उन्ही के घरेलू मैदान में शिकस्त दी और ईस्ट जोन का खिताब हासिल किया ।